धुड़मारस गाँव

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले के एक गाँव धुड़मारस को [संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO)] द्वारा **ग्रामीण विकास के लिये संयुक्त राष्ट्र पर्यटन कार्यक्रम (UNTRDP)** के तहत **सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव उन्नयन कार्यक्रम (BTVUP) में भाग लेने के लिये चुना गया है** ।

यह मान्यता [पारिस्थितिकी पर्यटन] और सतत् विकास के केंद्र के रूप में इसकी क्षमता को दर्शाती है।

मुख्य बिंदु

- **धुड़मारस गाँव:**
  - [कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (KVNP)] में स्थित, यह घने वनों, **कांगेर नदी** और समृद्ध जैव विविधता से घिरा हुआ है, जो इसे एक प्रमुख पारिस्थितिकी पर्यटन स्थल बनाता है।
    - **KVNP का नाम कांगेर नदी** के नाम पर रखा गया है, जो इसके बीच से बहती है। इसे **1982 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।**
    - KVNP में तीन उल्लेखनीय गुफाएँ हैं- **कुटुमबसर, कैलाश और दंडक,** जो अपने **स्टैलेग्माइट्स** (खनिज संरचनाएं जो गुफा के तल से निकलती हैं) और **स्टैलेक्टाइट्स** (खनिज संरचनाएँ जो गुफा की छत से नीचे की ओर लटकती हैं)।
  - पार्क में **साल, सागौन और बाँस की बहुतायत है,** जो एक **नम पर्णपाती वन का निर्माण करते हैं।**
    - यह [गोंड जनजाति] का हिस्सा धुरवा जनजाति का घर है, जो गोंड बोली पारजी बोलते हैं। उनकी जीवनशैली प्रकृति से बहुत जुड़ी हुई है, वे जीविका के लिये वनों और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं।
  - **मान्यता और समर्थन:**
  - BTVUP के तहत UNWTO की पहल के एक भाग के रूप में, धुड़मारों को अब **आर्थिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्थिरता और पर्यटन विकास जैसे क्षेत्रों को बढ़ाने के लिये सहायता प्राप्त होगी,** जिससे दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित होगा।
- **ग्रामीण विकास के लिये संयुक्त राष्ट्र पर्यटन कार्यक्रम:**
- **परिचय:**
  - UNTRDP पर्यटन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में **विकास, समावेशन और नवाचार को बढ़ावा देता है** , जिसका उद्देश्य जनसंख्या ह्रास से निपटना और सतत् प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है।
- **मूल्यांकन के मानदंड:**
  - यह मूल्यांकन सुनिश्चित करता है कि चयनित गाँव **स्थिरता, समावेशिता और शासन के मानकों को पूरा करते हैं।**
  - कार्यक्रम में भाग लेने वाले गाँवों का **मूल्यांकन नौ प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत किया जाता है,** जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधन, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता, पर्यटन विकास और बुनियादी ढाँचा आदि शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन

- **वर्ष 1975 में स्थापित और मैड्रिड, स्पेन** में मुख्यालय वाला UNWTO ज़िम्मेदार, सतत् और सुलभ पर्यटन को बढ़ावा देता है।
- **भारत सहित इसके 159 सदस्य देश हैं,** यह पर्यटन नीति के लिये एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है, [पर्यटन के लिये वैश्विक आचार संहिता] **का समर्थन करता है** तथा पर्यटन को [सतत् विकास के 2030 एजेंडे] के साथ संरेखित करता है।
- [सतत् विकास लक्ष्यों (SDG)] **का लक्ष्य 8.9** सतत् पर्यटन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है जो रोज़गार सृजित करता है और स्थानीय संस्कृति और उत्पादों को संरक्षित करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dhudmaras-village-1